



Rajkumar College Junior School, Raipur (C.G.)

Manthan

e-news letter

9th Edition

1st March, 2026



Examinations can be a challenging time for children, often bringing pressure, anxiety, and self-doubt. During such moments, the role of parents becomes extremely important in creating a calm and supportive environment at home.

A stress-free atmosphere helps children stay focused, confident, and emotionally balanced. Instead of constantly reminding children about marks performance, parents should encourage effort and consistency. Simple gestures like speaking kindly, listening patiently, and offering reassurance can make a big difference. Children should feel that they are valued for who they are, not just for their results.

Maintaining a positive routine at home also helps reduce stress. Proper sleep, nutritious meals, and short breaks between study sessions are essential for both mental and physical well-being. Parents can support by ensuring a quiet study space and minimizing unnecessary distractions or comparisons with others. It is also important for parents to understand that every child learns differently. Comparing them with peers can lower their confidence and increase anxiety. Instead, appreciating their strengths and guiding them gently through their weaknesses builds resilience.

Most importantly, parents should remind children that exams are just one part of life and not the ultimate measure of success. A calm mind performs better than a stressed one. When children feel supported and relaxed, they are more likely to do their best and develop a healthy attitude towards learning and challenges.

Ms. Chitwan Singh
Headmistress



Rajkumar College Junior School, Raipur (C.G.)

9th Edition
1st March, 2026



Aryanshi Singh
KG I B



Tvisha Goyal
Class II E



Sheikh Mohammad Arsh
KG I C



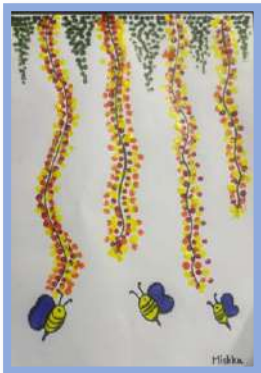
Hemang Sahu
KG I C



Aahana Sachdev
KG I C



Shrinika Agrawal
KG I C



Mishka Agrawal
KG II B



Ryan Singh Chawla
KG II F



Nayonika Mishra
Class II C



Dharvik Naik
Class II C



Rajkumar College Junior School, Raipur (C.G.)

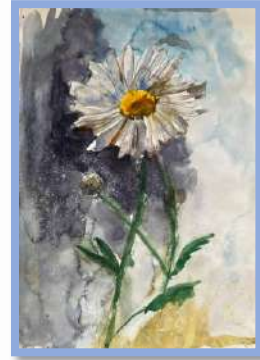
9th Edition
1st March, 2026



*Saharsh Lenka
Class I D*



*Saharsh Lenka
Class I D*



*Ryan Singh Chawla
KG II F*



*Zaroon Ahmed
KG I A*



*Aryanshi Singh
KG I B*



*Shayraa Mandhani
KG I A*



*Raahil Jain
Class II E*



*Nirvaan Mandhani
KG I A*



*Ayushman Pathak
KG II G*



ESSAY WRITING COMPETITION



THE PERSON WHO INSPIRES ME THE MOST

Everyone gets inspired by one person or another. It can be a teacher, an actor, a singer, etc. The person who inspires me the most is my mother. My mother is an ophthalmologist. She inspires me because she is kind, calm, humble, polite, intelligent, cheerful, and a very nice person. I also want to become a doctor when I grow up and have all the qualities that she has.

She is very friendly with all her patients. She always thinks good about everyone. She helps keep the environment clean and full of fresh air by planting many saplings every year. She is an environmentally friendly person. She helps everyone, whether she is on the road, in the park, at the mall, or anywhere else. She says the world is a family, so we should help others like our family members. I want to become exactly like her. Her name is Khushbu. She owns two hospitals: Shree Retina Care and Global Lasic. When she was a child, she also wanted to be a doctor—just like me!

Let me tell you some more good qualities of hers. She shines like the sun and is cool as the moon. Her behaviour is nicer than anyone else's in the world. She also spreads the message: *Save trees, save water, and save lives*. She loves cooking, shopping, and reading too. Sometimes she tells me about her childhood, and she says her inspiration was also her mother, just like me. She loves spending time with family, even though she is very busy.

I love my inspiration.

Sanvi Partani

Class IV A



Gurdit Singh Juneja
Class IV C



Aashvi Agrawal
Class II E

ESSAY WRITING COMPETITION

हमारे जीवन में माँ की भूमिका

नमस्ते, आज मैं आपको यह बताऊँगी कि हमारे जीवन में माँ की भूमिका सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण होती है। माँ हमें जन्म देती है उसके लिए वह असहनीय दर्द भी सहन करती हैं।

माँ हमारी पहली गुरु होती हैं। वह हमें चलना, बोलना, खाना-पीना सब सिखाती हैं। हमारे साथ खेलने का समय निकालने वाली भी हमारी माँ ही होती हैं।

हमें चोट लगती है, तब हमारी माँ को हमसे ज्यादा दर्द होता है। वह हमें ठीक करने के लिए दिन-रात एक कर देती हैं। जब हम बड़े हो जाते हैं और हमारी शादी हो जाती है, तब भी हमारा हाल-चाल पूछने वाली हमारी माँ ही होती हैं। हमारे दुख में हमें आशा देने वाली भी हमारी माँ ही होती हैं। भगवान से हमारे स्वस्थ जीवन की कामना करने भी हमारी माँ ही होती हैं। वह हमारे लिए सुबह उठकर खाना बनाती हैं। हमारी सारी शरारतों को सहती हैं। माँ तो अंबा का रूप होती है।

माँ का अपमान करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा पाप होता है और माँ का आदर और सम्मान करना, सबसे बड़ा पुण्य होता है। हमें पढ़ना-लिखना भी वही सिखाती हैं। अगर हमारी आँखों से आँसू निकलते हैं तो माँ उन्हें पोंछती हैं और हमें समझाती हैं। माँ का अर्थ जननी होता है, क्योंकि वह हमें जन्म देती हैं।

जब हम पर कोई विपदा आती है, तो हमारी माँ अंबा बनकर उसे दूर करती हैं। हम सभी की माताओं के लिए एक सलाम तो बनता है।

धन्यवाद माँ, आपने हमें यह जीवन दिया। माँ, आपको प्रणाम।

सृष्टि शर्मा

पाचवीं ब



Varanya Sethi
Cherry



Saasha Bajaj
KG II G



ESSAY WRITING COMPETITION



प्रिय त्योहार

मेरा प्रिय त्योहार दीपावली है । दीपावली पटाखों का त्योहार है । दीपावली के दिन मेरी माँ मिठाइयाँ बनाती हैं । इस दिन मैं भगवान की पूजा करता हूँ । दीपावली के दिन मेहमान घर पर आते हैं । इस दिन मैं पटाखे जलाता हूँ और अपने दोस्तों को पटाखे देता हूँ । कुछ पटाखे बचाकर भी रखता हूँ । इस दिन मैं मिठाइयाँ बाँटता हूँ । दीपावली में मैं घूमने जाता हूँ ।

कुशाग्र जैन
कक्षा - पहली 'स'

प्रिय त्योहार

मेरा प्रिय त्योहार होली है । होली मार्च के महीने में आती है । यह त्योहार हिंदू मनाते हैं । होली के एक दिन पहले होलिका दहन होता है । उस दिन ऐसा लगता है कि रंगों की नदी बहती हो । होली में हम रंगों और गुलाल से खेलते हैं । होली के दिन मैं अपने मामा के घर जाती हूँ । मेरे पापा होली के दिन मेरे लिए उपहार लाते हैं ।

राधिका पुजारी
कक्षा - पहली 'ब'

मेरा जन्मदिन

मेरा जन्मदिन दिसंबर में आता है । आज मेरा जन्मदिन है । जन्मदिन पर मैं बड़ों का आशीर्वाद लेती हूँ । इस दिन मैं विद्यालय में चॉकलेट बाँटती हूँ । इस बार जन्मदिन पर मैंने एक जादूगर बुलाया है । इस दिन मैं अपने सारे दोस्तों को बुलाती हूँ, उनके साथ केक काटती हूँ । वे मुझे बहुत सारे उपहार देकर जाते हैं । मैं भी अपने सारे दोस्तों को उपहार देती हूँ, फिर उनके लिए हुए उपहार को खोलती हूँ । इस दिन मैं केक और मिठाइयाँ भी खाती हूँ । इस दिन मैं गरीबों को खाना बाँटती हूँ । मैं अपने जन्मदिन में बहुत मजे करती हूँ ।

मिराया लुंकड़
कक्षा - पहली 'ब'



ESSAY WRITING COMPETITION

मेरा प्रिय खिलौना

मेरा प्रिय खिलौना गुड़िया है। मेरी गुड़िया बहुत प्यारी है। मेरी गुड़िया का नाम बॉबी है। मेरी गुड़िया लाल रंग के कपड़े पहनी है। मुझे मेरी गुड़िया बहुत अच्छी लगती है। मेरी गुड़िया दुनिया की सबसे प्यारी गुड़िया है। मैं अपनी गुड़िया के साथ खेलती हूँ। मेरी गुड़िया बहुत सुंदर है।

अमाया गौतम

कक्षा - पहली 'फ'

प्रिय खेल

मेरा प्रिय खेल गेंद-बल्ला है। इसमें ग्यारह खिलाड़ी होते हैं। इसे हम मैदान में खेलते हैं। दो खिलाड़ी बल्लेबाजी और एक खिलाड़ी गेंदबाजी करता है। मैं गेंद-बल्ला अपने मित्र के साथ खेलता हूँ। मुझे गेंद-बल्ला खेलना पसंद है।

गर्वित जैन

कक्षा - पहली 'ई'

प्रिय मित्र

मेरी प्रिय मित्र का नाम अनुष्का है। वह सात साल की है। वह पहली कक्षा में पढ़ती है। वह मेरे साथ खेलती है। अनुष्का बहुत अच्छी है। वह मेरी मदद करती है। उसके बाल लंबे हैं। मैं उसके साथ घूमने जाती हूँ। वह मुझसे बहुत बात करती है। उसे गुलाबी रंग पसंद है। मैं उसके साथ केक काटती हूँ। मैं उसके साथ प्रातः काल उठकर प्रार्थना करती हूँ। वह मुझे अपने जन्मदिन पर मिठाई बाँटने ले जाती है।

अनाहिता मिश्रा

कक्षा - पहली 'स'



प्रिय मित्र

मेरी प्रिय मित्र का नाम यशी है। वह सात साल की है। वह मुझे बहुत पसंद करती है। वह बहुत अच्छी है। उसके बाल बहुत सुंदर हैं। उसका एक भाई है। यशी मुझसे बड़ी है। वह मेरी मदद करती है। उसे मेरे खिलौने पसंद हैं। उसे मेरा घर बहुत पसंद है। वह मेरे घर के पास रहती है। यशी को हरा रंग बहुत पसंद है। उसके पास एक लाल बैग है। वह अपने माता-पिता को प्यार करती है।

समायरा ठाकुर

कक्षा - पहली 'फ'

ESSAY WRITING COMPETITION

प्रिय खेल

मेरा प्रिय खेल बैडमिंटन है। मैं अपने मित्रों के साथ रोज़ बैडमिंटन खेलती हूँ। वह पीला, हरा और गुलाबी रंगों का है। वह बहुत चमकौला भी है। मैं उसे रोज़ विद्यालय लेकर जाती हूँ और उससे खेलती हूँ। मैं और मेरे मित्र मैदान में जाते हैं और उससे खेलते हैं।

श्रीया जैन

कक्षा - पहली 'स'



प्रिय त्योहार

मेरा प्रिय त्योहार दीपावली है। दीपावली में हम अच्छा खाना खाते हैं और पटाखे फोड़ते हैं। दीपावली में मैं अपने दोस्तों को मिठाइयाँ बाँटता हूँ और गरीबों की मदद करता हूँ। दीपावली में मेरी प्रिय मिठाई भी मेरे पापा घर लेकर आते हैं। हम सब घूमने के लिए मेला जाते हैं।

अयान अली अकबर

कक्षा - पहली 'स'

प्रिय मित्र

मेरी प्रिय मित्र श्रेयसी है। मैं उसके साथ खेलती हूँ। वह महोबा बाज़ार में रहती है। उसका प्रिय खेल बास्केटबॉल है। हम दोनों साथ मिलकर खेलते हैं। मेरी प्रिय मित्र सबसे अच्छी है। उसका उपनाम कादंबरी है। वह मेरे साथ बहुत बात करती है। मैं उससे बहुत प्यार करती हूँ। वह मुझे बहुत अच्छी लगती है। वह हर चीज़ में अक्ल आती है। मैं उसकी मदद करती हूँ। उसका प्रिय त्योहार दीपावली है। उसके बाल लंबे हैं। वह बहुत सुंदर है।

अगाथा नथानी

कक्षा - पहली 'स'



प्रिय खेल

मेरा प्रिय खेल शतरंज है। यह दो लोगों के बीच खेला जाता है। यह एक अच्छा खेल है। यह दिमाग का खेल है। इसमें बहुत सारी गोटियाँ होती हैं। शतरंज खेलने में मुझे मज़ा आता है। मेरे पास लकड़ी से बना हुआ शतरंज है। मैं इसे अपने पापा के साथ खेलता हूँ।

कविश शर्मा

कक्षा - पहली 'फ'

ESSAY WRITING COMPETITION

मेरा जन्मदिन

मेरा जन्मदिन कल था। मैंने अपना जन्मदिन अपने परिवार के साथ मनाया था। इस दिन का केक बहुत ही स्वादिष्ट था। मैंने केक और मिठाइयाँ खाईं। मुझे मेरे जन्मदिन पर बहुत से उपहार मिले। मेरे पापा ने उपहार में मुझे बहुत सारे खिलौने दिए। मेरी माँ ने मेरे लिए अच्छा भोजन बनाया। मेरे सभी दोस्त मेरे जन्मदिन पर मेरे घर आए थे। मैंने अपने दोस्तों के साथ खेल खेला। मुझे मेरा जन्मदिन याद रहेगा।



रिशान अनुज फतेपुरिया
कक्षा - पहली 'स'

मेरा प्रिय खिलौना

मेरा प्रिय खिलौना गाड़ी है। मेरी गाड़ी एक कार है, जो लाल रंग की है। इस गाड़ी में चार चक्के हैं। दो दरवाजे और दो लाइट हैं। मेरी गाड़ी एक बहुत बड़ी कार है। मेरी कार बहुत सुंदर है और यह रिमोट से चलती है। मुझे मेरी गाड़ी बहुत पसंद है।

शिवांग अग्रवाल
कक्षा - पहली 'द'

प्रिय त्योहार

मेरा प्रिय त्योहार दीपावली है। दीपावली में हम लक्ष्मी माता की पूजा करते हैं। दीपावली में हम अपने घर को दीया, लाइट और मोमबत्ती से सजाते हैं। मम्मी इस दिन अच्छे-अच्छे भोजन और मिठाइयाँ बनाती हैं। हम अपने मित्रों के साथ पटाखे फोड़ते हैं। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जो सबके चेहरों पर खुशियाँ लाता है।
काशवी रात्रे
कक्षा - पहली 'अ'

प्रिय मित्र

मेरे प्रिय मित्र का नाम अनव है। वह मेरा बहुत अच्छा मित्र है। अनव बहुत अच्छा लड़का है। कक्षा में हम दोनों साथ में बैठते हैं। वह मेरे घर भी आता है फिर हम दोनों एक साथ खेलते हैं। उसके घर में बहुत अच्छे खिलौने हैं। उसके जन्मदिन पर मैंने उसे उपहार दिया था। वह भी मुझे बहुत पसंद करता है।

अद्वित सिंघल
कक्षा - पहली 'फ'





ESSAY WRITING COMPETITION

MY MOTHER

My mother's name is Dimple Agrawal. She is a housewife and is 33 years old. She looks very beautiful. She has long, black hair. Her favourite colour is purple.

My mother cooks delicious food for our family and also bakes tasty cakes for me. She is very kind-hearted and caring. Her handwriting is neat and clean. She speaks politely and takes good care of our family. She loves me and my brother, and we love her very much too.

She enjoys both the winter and summer seasons. When she goes to the mall, she likes to wear jeans and a kurti. Her favourite flower is the lotus, and she especially likes pink and light-pink coloured flowers. Her hobby is reading storybooks, and she loves telling me new stories every day.

She enjoys visiting gardens and decorating our house with flowers and lights. Her birthday is on 25th December, and her wedding anniversary is on 4th December. She wakes up early in the morning to help us get ready, but she goes to bed late at night.

Naysha Agarwal

Class II F



IF I HAD A PET DINOSAUR

If I had a pet dinosaur, I would treat him like a friend. I would name him Lion. I would play with him day and night and let him sleep near me for his safety.

I would give him food and water every day so that he could stay healthy. I would also introduce him to my friends because if my friends come to my house suddenly, he might scare them. So, it would be better to introduce them before.

If I introduce my friends to him, they will not be afraid. Then they will come to my house and play with Lion happily.

I would also take him for a walk in the evening and take good care of him. I would love it very much if I had a pet dinosaur.

Advik Agrawal

Class III B



ESSAY WRITING COMPETITION

A DAY IN THE GARDEN

My family and I were very excited to go to the garden. My sister, cousins, and I played happily while the elders did exercises. We reached the garden at 11:20 a.m. and returned home at 5:30 p.m. The garden is big and beautiful with many green trees, bushes, and grass. We enjoyed swinging high, sliding down the slide, and playing on the see-saw. We ran freely, played cricket, laughed a lot, and clicked many pictures together. Many people also came there for picnics.

The garden has benches, animal-shaped dustbins, and a big shelter for rainy days. There is also a statue of a rabbit holding a working clock. I usually go to the garden with my friends, but that day I went with my family. We ate snacks, talked, played games, and had a very happy and fun day.

Sasha Agrawal

Class II G

दिवाली की छुट्टियाँ

दिवाली की छुट्टियों में मुझे बहुत मज़ा आता था। दिवाली पर माँ तरह-तरह के पकवान बनाती हैं। और मुझे उनमें से गुजिया सबसे ज़्यादा पसंद है। दिवाली मेरा प्रिय त्योहार है। दिवाली की छुट्टियों पर मैंने अपने घर की साफ सफाई की और घर पर दीये और लाइटें लगाई। दिवाली के दिन हमने भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा की, उनसे और अपने माता-पिता से आशीर्वाद लिया। दिवाली की छुट्टियों में मैंने बहुत सारे पटाखे जलाए। दिवाली के पहले ही मैंने इतने मजे किया और दिवाली के दिन भी मैंने बहुत मजे किए। और मैंने अपने घर में दिवाली पार्टी की अपने दोस्तों के साथ बहुत खेल खेला। इस तरह से मैंने अपनी दिवाली की छुट्टियाँ मनाई थी।

प्रिशा शर्मा

कक्षा - दूसरी 'ब'



ESSAY WRITING COMPETITION



THE CANDY LAND

When I was sleeping and woke up in the morning, I found myself in a totally different world. It was Candy Land. The land was pink and creamy, and everything looked sweet and colourful. I decided to taste the land, and it tasted wonderful.

Suddenly, I saw a lollipop standing on the ground. I walked up to it, picked it up, and took a bite. When I ate it, I realised that it was my favourite flavour—strawberry bubble gum.

Then I saw a lake and jumped into it. I was surprised to see that the lake was full of chocolate syrup. I also saw a straw floating on it, so I picked it up and took a sip of the chocolate syrup. It was very tasty.

After some time, I realised that my clothes had become dirty.

Suddenly, new clothes fell from the sky. I quickly changed my clothes.

Then I saw a sheep, and actually, the wool of the sheep was made of cotton candy!

I felt very happy in Candy Land. It was a magical and sweet place. I wished I could stay there forever, but suddenly I woke up and realised it was only a dream.

Shriyan Agarwal

Class II C

मेरा विद्यालय

मेरे विद्यालय का नाम राजकुमार कॉलेज है। मेरा विद्यालय बहुत बड़ा है और उसमें बहुत सारी कक्षाएँ हैं, प्रत्येक कक्षा में दो खिड़कियाँ और दो दरवाज़े लगे हैं। मेरे विद्यालय में बहुत सारे बच्चे पढ़ते हैं। विद्यालय में मेरे बहुत सारे मित्र हैं जिनके साथ मैं खेलता और पढ़ता हूँ। विद्यालय में पेड़-पौधे होने के कारण चारों तरफ़ हरियाली है। मुझे अपने विद्यालय आना बहुत पसंद है।

प्रत्यूष आहूजा

कक्षा - दूसरी 'स'



ESSAY WRITING COMPETITION



IMPORTANCE OF CLEANLINESS

Cleanliness means keeping our surroundings and ourselves clean. It is important to keep everything clean because if things are dirty, the smell attracts insects, and there might be insects in dirty places.

We also have to learn to have a clean mind. Keeping a clean mind means not thinking bad things but thinking good things. We have to learn to keep ourselves and our surroundings clean.

The sweepers help us by keeping our surroundings clean. The builders build us clean houses. The farmers help us by providing healthy food to keep us healthy and clean.

So, everyone should help in keeping our beautiful world clean. Cleanliness keeps us healthy and happy. A clean environment also prevents diseases. We should always throw garbage in dustbins and keep our homes, schools, and surroundings neat and clean.

Meharab Singh Hora
Class III D

प्रिय ऋतु

मेरी प्रिय ऋतु जाड़े/शीत ऋतु है। मुझे यह इसलिए पसंद है, क्योंकि इस मौसम में हमें अच्छे-अच्छे गरम कपड़े पहनने मिलते हैं। इस मौसम में हम गरम चीजें खाते हैं। इस मौसम में बाहर बहुत ठंड होती है। हम इस समय ग्लोव्स और टोपी पहनते हैं। हमें स्कूल से १५ दिनों की छुट्टी भी मिलती है। हम शीत ऋतु में मफलर भी पहनते हैं। इस समय कुछ-कुछ जगह पर आसमान से बर्फ गिरती है। हम घरों को लाइटों से सजाते हैं। हम मेहमानों को बुलाते हैं। मैं इस मौसम में अपने दोस्तों के साथ बहुत खेलता हूँ। मेरे बहुत सारे दोस्तों का जन्मदिन इसी ऋतु में आता है। यह मेरी प्रिय ऋतु है।

वेदांत उप्पल
कक्षा - तीसरी ' इ '



ESSAY WRITING COMPETITION



THE CLOUD THAT TOOK ME TO THE SKY

I was sleeping, and in my dream, I found myself lost in a railway station. After a while, I was ready to fly, and soon I was soaring in the sky. People around me were shocked to see me flying. I was enjoying myself, and after some time, I saw what looked like a human being. But it wasn't a human, it was a cloud talking to me! I was shocked and a little scared, but the cloud said, *"Don't worry. I am just a cloud, not a kidnapper."*

I calmed down, and after that, the cloud introduced itself to me. We became good friends. The cloud took me near the sun, and we enjoyed ourselves together. I felt very happy. He gave me a ride around the sky, and I was flying like a bird, enjoying the fresh and cool air.

I was having fun with my new friend, but then my mom woke me up for school. I got up with a start and realised it was only a dream. Still, I promised the cloud that we would meet again.

Tanishi Jakhodia
Class III A

साइकिल की आत्मकथा

मैं एक साइकिल हूँ। लोग मेरी सीट पर बैठकर चलाते हैं। मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझ पर एक हैंडल लगा रहता है और मुझमें दो पहिए लगे रहते हैं। मैं कई रंगों में मिलती हूँ। मुझमें एक स्टॉपर लगा रहता है, छोटे बच्चों की साइकिल में चार पहिए लगे होते हैं। जब बच्चे धीरे-धीरे बड़े होते हैं, तब वह मेरे नीचे से छोटे दो पहियों को हटा देते हैं और फिर बिना छोटे पहिए के मुझे चलाने का अभ्यास करते हैं। मैं लोगों को आसानी से एक जगह से दूसरे जगह पहुँचा देती हूँ। मुझे अंग्रेजी में बाइसिकल बोला जाता है।

समर्थ मिश्रा
कक्षा – तीसरी 'स'

ESSAY WRITING COMPETITION

MY MORNING ROUTINE

I wake up at 7:00 a.m. My mother gently wakes me by sprinkling a few drops of water on my face. Meanwhile, my sister enjoys her tea while watching her electronic gadget. After waking me up, my mother goes for a bath, and sometimes I fall asleep again. But when she comes out and looks at me seriously, I quickly wake up and rush to the bathroom. I look for my shower cap and then take a bath. After bathing, I quickly put on my clothes and comb my hair into a beautiful hairstyle. Every day, I get different lunch box items—for example:

Monday: poha

Tuesday: idli

Wednesday: dosa

Thursday: biscuits

Friday: sandwich

Saturday: cake (and sometimes something special)

We also share morning duties. My mom prepares the lunch box, my sister fills the water bottle, and I—well, I don't do much because the hardest thing for me in the morning is simply waking up and getting ready! One day, I even had to make my own lunch box, so I tried making a new sandwich, and it turned out delicious.

This is how my morning begins every day, helping me stay fresh, organised, and ready for school.

Sumaira Kothari

Class IV E



यदि खिलौने भी बोलते होते

मेरे खिलौने रंग-बिरंगे और सुंदर हैं। मैं उनको बहुत अच्छे से रखती हूँ, अगर वे बोलते तो मैं उनसे बहुत बातें करती। मैं अपने खिलौने सेजा के रखती हूँ। मेरे पास तरह-तरह के खिलौने हैं।

अगर मेरे खिलौने बोलते तो मैं बहुत मज़ा करती जैसे उसके साथ खेलती, घूमने जाती और खाना खाती। मैं उनके साथ जो चाहे कुछ भी कर सकती अगर मैं पानी पी रही हूँ और अचानक मेरे खिलौने पर पानी गिर जाता है तो मेरा भाई उसे ठीक कर देता है। मैं अपने खिलौनों से बहुत प्यार करती हूँ।

तनीषी जाखोर्दिया

कक्षा-तीसरी 'अ'



ESSAY WRITING COMPETITION

THE PERSON WHO INSPIRES ME THE MOST

The person who inspires me is my dad. He is a businessman. He always plays with me. Sometimes he texts me and tells me about me. He is really fond of footballers, especially one named Ronaldo. He teaches me cricket, football, and pickleball. I love him the most. He often sits and tells me about his olden days. He spends his time with us and wants me to be strong. When my work is incomplete, he scolds me. He tells me short biographies of great people and their creations. Shah Jahan made the Taj Mahal. He tells me about autobiographies of great rulers.

He is a strong and intelligent man. He wanted me to join an academy. First, I joined a cricket academy, then a football academy and gymnastics. Later, I left football and joined another academy. Because of my dad and parents, I learned karate. Because of my dad, now I am a good cricketer, footballer, pickleball player, swimmer, and athlete. 15th December is my daddy's birthday. I like to play with him. One day, I almost broke my knee, but he saved me. He often tells me about great people and their lives. He tells me science facts. He once told me about different types of fossils, like crab fossils, dinosaur fossils, and ammonite fossils. He bought me an ammonite fossil, too. I love my dad.

Divyaan Johari
Class IV E

मेरा विद्यालय

मेरे विद्यालय का नाम राजकुमार कॉलेज है। इसमें सभी कक्षाएँ बड़ी एवं सुंदर हैं। मेरी कक्षा में 34 बच्चे पढ़ते हैं। मेरी कक्षा शिक्षिका का नाम निशा सिंह राठौर है। विद्यालय में लड़के और लड़कियाँ पढ़ते हैं। विद्यालय में बहुत सारे पेड़-पौधे लगे हैं। यहाँ पर अनेक बगीचे और खेल के मैदान हैं जहाँ मुझे अपने दोस्तों के साथ खेलना अच्छा लगता है। मेरा विद्यालय बहुत बड़ा एवं सुंदर है।

झलक गुप्ता
कक्षा - दूसरी 'ग'



ESSAY WRITING COMPETITION

THE FUNNIEST THING THAT EVER HAPPENED TO ME



It was a dull, ordinary school morning. There was only one minor detail that was different—I was extremely late! I rushed downstairs to my school van, which was impatiently waiting for me. I had a feeling that I was going to be scolded severely by my teachers and, frankly, by the people who were waiting for me in the van. I thought aloud, “Oh, why didn’t I wake up on time?” I was vexed and extremely rude to my mother, who was nothing but sweet to me.

While sitting in the van, I was thinking about when I would enter the classroom. I was sure that everyone would give their eyes to my face, as if I were some walking entertainment. When we arrived, I practically ran to my classroom. But alas! When I looked inside, there was no one there. The lights were switched off! Puzzled, I noticed that there was no one in the other classrooms either.

I then hurriedly went to the assembly area to see if everyone was there instead. As I was going, I heard voices of children singing and laughing. My pace increased, and I soon reached downstairs.

What I saw next, I was not able to believe! It was my idol, the big, famous Taylor Swift! I rushed onto the platform without even thinking about the consequences. The security guards tried to stop me, but they were no match for me. One by one, I knocked them down and hugged Taylor Swift! Surprisingly, she welcomed me with an even bigger hug!

Suddenly, I heard my mother’s voice. “How is my mother at my school, and why is she yelling at me to wake up?” I thought to myself. I pinched myself to see if I was dreaming. The next thing I saw was my room—my bed. Huh? How did I get here? Slowly, I realised that I must be dreaming after all! I knew it was too good to be true.

It was certainly the funniest thing that ever happened to me! So, I thought it was all a dream after all. All day at school, I told my friends every minor detail about my dream. I still thought that it must not be a dream and that I had just teleported back to my bedroom. But obviously, no one ever believed me!

Anwika Agrawal

Class V G



ESSAY WRITING COMPETITION

THE JOY OF MAKING HANDMADE GIFTS

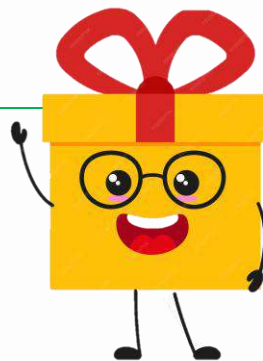
Handmade gifts bring a special kind of joy that only a crafter can truly feel. When we make handmade gifts, it shows the effort and hard work that a person puts into making them. Handmade gifts show much more love than market gifts. They clearly express the care and affection of the person who made them. The joy of making handmade gifts is truly worth it.

Handmade gifts never have mistakes; they show the hard work and love we put into them. Market gifts are just bought from a shop and given to someone. But when we give a handmade gift, the person understands how truly, honestly, and enthusiastically we made it. It shows the passion in our hands by creating such beautiful handmade gifts that everyone likes. It also shows that we purchased the materials ourselves and made the gift with our own hands.

I like to make handmade gifts, and on every festival, I give handmade gifts to my cousins, relatives, and neighbours. We should make handmade gifts for everyone to make them happy in every situation. I love to make handmade gifts, and I hope I will give only handmade gifts in the future when I grow up.

Remember that handmade gifts are the most precious gifts in the whole world. You should also start making handmade gifts by yourself on every festival and every birthday. If you give someone a handmade gift, the joy of that person will be so great that they may become your best friend forever and help you in every situation.

Charvi Jain
Class V D





ESSAY WRITING COMPETITION

WHY WE SHOULD RESPECT OUR ELDERS

We should respect our elders because they care for us. They fulfil our wishes and make us happy. They also respect us and others. We should respect not only our elders, but everyone around us.

Respecting people is very important for becoming a polite and good person. When we respect others, they, in turn, respect us too.

We can respect people in various ways. At school, we respect our teachers by following the rules, wearing the proper uniform, listening carefully in class, paying attention, and wishing them when they enter the classroom. At home, we can respect adults by talking politely, helping them in their work, and not disturbing them when they are doing something important.

Basic manners are essential for everyone. We should say “please” before taking something, “thank you” after receiving something, and “you’re welcome” when someone thanks us. We should also respect the wishes of our elders and value their guidance.

Respecting others is a wonderful way of showing kindness, empathy, and sympathy. Respecting people also gives us happiness. We should never be rude to anyone. We must always be polite and avoid saying anything that may hurt others' feelings. We should be kind and respectful to everyone.

Always remember — if you respect others, they will respect you too.

Nivaan Kumar Agarwal
Class V F



MY FAVOURITE FESTIVAL

My favourite festival is Diwali. I make rangoli during Diwali. I burst crackers on Diwali. I like Diwali very much. It is an important festival. It is a big festival in India. Diwali comes after Navratri. We exchange gifts and sweets. I wear new clothes on Diwali.

Vaani Jain
Class I A

ESSAY WRITING COMPETITION

मित्रता एक अनोखा रिश्ता

मित्रता एक बहुत ही अनोखा रिश्ता होता है आपके जीवन में एक अच्छा दोस्त होना बहुत जरूरी होता है क्योंकि दोस्त वह होता है जिनसे आप अपनी मन की बात कर सकते हैं। दोस्त वे होते हैं जो अपने मन की भावना को समझे जो हमेशा आपके साथ रहे दोस्त वह होते हैं जो आपको हमेशा खुश रखें अगर आप उदास भी क्यों ना हो मित्रता एक ऐसा रिश्ता है जो कई लड़ाइयों के बाद भी नहीं टूटती और अगर लड़ाई होती है तो दोस्तों के बीच में प्यार बढ़ जाता है।

मेरी भी एक बहुत अच्छी दोस्त है जिसका नाम आयरा है वह मेरी बहुत अच्छी दोस्त है वह मेरे साथ हमेशा रहती है और मुझे हमेशा खुश रखती है हमारे बीच भी बहुत लड़ाइयाँ होती है पर मैंने कहा था ना कि जब लड़ाइयाँ होती है तो दोस्तों के बीच में प्यार बढ़ जाता है, हम हमेशा साथ रहते हैं और साथ में बहुत मजे करते हैं। हम दोनों को एक दूसरे के साथ रहना बहुत पसंद है वह मेरी सबसे अच्छी और सच्ची दोस्त है। वह मुझे हमेशा आगे बढ़ने में मेरी मदद करती है वह भले ही खुद उदास हो जाएगी पर मुझे कभी उदास होने नहीं देती है। हमें हमेशा एक दूसरे के साथ रहना पसंद है जैसे साथ में खेलना, खाना साथ में बातें करना आदि।

अगर दोस्ती सच्ची होती है तो कभी भी नहीं टूटती। दोस्ती एक सच्चा रिश्ता होता है। आज हम दोनों पूरे 4 साल से दोस्त हैं, लेकिन हमारी दोस्ती कभी नहीं टूटी। वह मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। दोस्त ऐसे होते हैं जो अपने दोस्तों से दूर होकर भी अपनी दोस्ती को निभाते हैं। दोस्त बहुत ही अच्छे होते हैं बस उन्हें समझाना होता है और मेरी सबसे अच्छी दोस्त आयरा है और मुझे पता है कि हमारी दोस्ती बड़े होने के बाद भी कभी नहीं टूटेगी।

कायरा जैन
चौथी द



ESSAY WRITING COMPETITION

टिफिन की आत्मकथा

मैं एक टिफिन हूँ। मेरे अंदर खाना रखा जाता है। बच्चे और बड़े मेरा इस्तेमाल करते हैं। मुझे कारखाने में बनाया जाता है। वहाँ से मुझे फिर दुकानों में भेजा जाता है और लोग मुझे वहाँ से खरीदते हैं। बच्चे मुझे विद्यालय लेकर जाते हैं और बड़े जब घूमने जाते हैं तब मुझे लेकर जाते हैं। मेरे अंदर खाना इसलिए रखा जाता है ताकि वह गर्म रहे और जब बच्चे खाना चाहे खा सकते हैं। मैं कई सारी चीजों से बनता हूँ, जैसे स्टील, प्लास्टिक, कांच आदि। प्लास्टिक वाले टिफिन छोटे और रंग-बिरंगे होते हैं पर उसमें खाना गरम नहीं रहता। स्टील के टिफिन में खाना गर्म रहता है। टिफिन कई डिजाइन के भी आते हैं जैसे की फुटबॉल की डिजाइन, क्रिकेट के बाल की डिजाइन आदि। मुझे तो क्रिकेट के बाल की डिजाइन का टिफिन बहुत अच्छा लगता है क्योंकि मुझे क्रिकेट का खेल बहुत पसंद है। टिफिन दुनिया में हर इंसान के पास है। मेरे कई सारे दोस्त भी हैं जैसे की टिफिन बैग, चम्मच आदि। लोग मुझे टिफिन बाग के अंदर ही रखते हैं। टिफिन बैग मेरा सबसे अच्छा दोस्त है क्योंकि वह हमेशा मेरे साथ रहता है। मुझे वह अपने अंदर रखकर वह हमेशा मुझे बचाता है। मुझे उसके साथ रहना अच्छा लगता है। हम दोनों की जोड़ी सबसे अच्छी है। जब मैं पुराना और खराब हो जाता हूँ, तो लोग मुझे फेंक देते हैं। मुझे कड़ी धूप में कूड़े में फेंका जाता है। मैं सोचता हूँ कि मुझे पुनर्निर्माण वाले कारखाने में भेज दें ताकि देश में ज्यादा कचरा न हो और मैं फिर से नया होकर कुछ अच्छा बन जाऊँ। अपना नया रूप पाकर मैं खुश हो जाऊँगा और दुकान में बेचा पुनः जाऊँगा।

आरव सोमानी
कक्षा चौथी-इ





ESSAY WRITING COMPETITION

मोबाइल के फायदे और नुकसान

आज के समय में मोबाइल का बहुत ज्यादा उपयोग हो रहा है। मोबाइल के उपयोग से ही पूरी दुनिया चल रही है। बच्चे तो हर समय मोबाइल लेकर बैठ जाते हैं। बड़े भी अपने खाली समय में मोबाइल लेकर बैठ जाते हैं। यह बहुत अच्छी बात नहीं होती है। मोबाइल के बहुत सारे फायदे भी हैं। मोबाइल से पैसे भी भेजे जा सकते हैं। मोबाइल से खाना भी मंगा सकते हैं आदि। बच्चे मोबाइल में इतना व्यस्त हो गए हैं कि वह बाहर जाकर खेलना ही भूल गए। मोबाइल के बहुत सारे नुकसान भी हैं। मोबाइल से हमारी आँखें खराब होती हैं सिर-दर्द और भी बहुत सारी अन्य बीमारियां हो रही हैं फिर भी हम लोग पूरा दिन मोबाइल देखते हैं। बच्चे मोबाइल में खेल भी खेलते हैं जो बिल्कुल भी अच्छा काम नहीं है। हमें मोबाइल को अच्छे कामों में इस्तेमाल करना चाहिए और कम उपयोग में लाना चाहिए ताकि हमारी दुनिया में किसी की भी आँख खराब ना हो और सब खुशी से रहें।

जाँय बजाज
कक्षा चौथी स

MY FAVOURITE SUBJECT

My favourite subject is Maths. It is very easy for me. My class teacher is also my Maths teacher, and she teaches very well. I am good at Maths. Numbers are really fun. We do activities in our Maths book. I am good at solving Maths sums. I like Maths class very much. I am also very good at solving mental Maths questions. It is awesome. I like Maths a lot.

Samaira
Class I F





ESSAY WRITING COMPETITION

कागज की आत्मकथा

मैं कागज हूँ । मैं अलग-अलग प्रकार का होता हूँ । मैं रंग-बिरंगा होता हूँ । मेरे बहुत सारे मित्र भी हैं । एक समय की बात है । मैं और मेरे दोस्त एक पेड़ थे । हम बहुत कुशल जीवन जी रहे थे लेकिन यह खुशी ज्यादा दिनों तक की कहाँ थी । बस एक नजर लगने की देरी थी । एक दिन कई सारे लोग आए और हमें काटने लगे । हमने उन्हें बहुत मन किया लेकिन हमारी बातें कौन सुनने वाला था । हम बहुत ज्यादा रो रहे थे अपनी जान के लिए भौख तक माँगी पर कोई फायदा नहीं हुआ । चार-पाँच घंटे में हमें कारखाने पहुँचाया गया । वहाँ पहुँचकर हम डर गए क्योंकि वहाँ हमारे जैसे मासूम जाने को तोड़ मरोड़ कर कागज बनाया जा रहा था । हमने उन्हें खूब मन किया लेकिन फिर उन्होंने हमारी बात नहीं सुनी । हमें 6 से 8 घंटे में दुकान पहुँचाया गया । वहाँ हमें बेचा गया अंतिम विदाई लेते हुए हम बहुत रोए । आपसे कुछ कहना है , खास करके छोटे बच्चों से कि पेड़ काटने से छोटे-बड़े कीड़े जानवर यहाँ तक की बड़े जानवर , और इंसान भी गंदी हवा में ढंग से सास नहीं ले सकते । एक बार तो मान लिया जाए कि हमें काट कर कागज बनाया तो, उस कागज को फेंक कर हमारा अपमान तो मत करो । आगे से एक कागज को फेंकने से पहले सौ बार सोचना नहीं तो कई जान जाएगी ।

अनंत शर्मा
कक्षा पांचवीं इ

MY FAVOURITE FESTIVAL

My favourite festival is Diwali. I burst crackers on Diwali. I help my mother clean our house. I make a beautiful rangoli on Diwali. My mom makes delicious food. I decorate our house with diyas. I love to celebrate Diwali. Diwali is a wonderful festival. I like to play with fuljhadi. I wish my grandparents a happy Diwali. Diwali is a Hindu festival. I wear new dresses on Diwali. I play with anar and many other crackers. Diwali is a joyful festival.

Radhika Pujari
Class I B





ESSAY WRITING COMPETITION

पुस्तकों का हमारे जीवन में महत्व

पुस्तकें ज्ञान का भंडार हैं। पुस्तकें अन्य प्रकार की होती हैं जैसे-गणित, इतिहास, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, भूगोल, चित्रकला आदि। पुस्तक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जितना ज्ञान ये हमें देती हैं उतना कोई नहीं दे सकता। इसमें माँ सरस्वती का वास होता है। यह अलग-अलग आकार-प्रकार की होती है जैसे-गोल, चोरस, आयताकार आदि। ये भिन्न-भिन्न रंगों की होती हैं जैसे-सफ़ेद, गुलाबी, काला, हरा, नीला, पीला, लाल आदि। यदि हमारे जीवन में पुस्तकें न हो तो हम अपना पूरा दिन मोबाईल और टी.वी देखने में ही व्यर्थ कर देंगे। हमें इंटरनेट के द्वारा पढ़ाई करनी पड़ जाएगी। जिससे हमारी आँखें खराब हो जाएगी। पुस्तकें न ही सिर्फ हमें भरपूर ज्ञान देती हैं बल्कि कहानी की किताब, कॉमिक्स, नॉवेलस आदि के रूप में आकर हमें टेक्नोलॉजी से दूर रखती हैं। इसे पुस्तक के अलावा ग्रंथ, किताब पोथी आदि कहा जाता है। दुर्भाग्य की बात है कि आज के ज़माने में पुस्तकों का मूल्य कोई समझना ही नहीं चाहता, सब उसे पढ़कर फेंक देते हैं।

एक बार की बात है हमने पढ़ा था कि रोहित नाम का एक लड़का था। उसे वर्ष 2155 में उसके दादाजी ने उसे एक बहुत पुरानी पुस्तक दी थी जो उन्हें एक डिब्बे में पड़ी मिली थी। उसमें पुराने ज़माने के विद्यालय के बारे में लिखा था। उसमें बताया गया था कि कैसे पुराने वक्त में सभी छात्र एवं छात्राएँ एक साथ हँसते-मुस्कुराते किताबों के साथ पढ़ाई करने जाते थे। पढ़ाई एक विशेष भवन जाते थे जिसका नाम स्कूल था है तथा पुरुष एवं महिलाएँ छोटे बच्चों को अलग-अलग विषय पढ़ाया करते थे। सभी बच्चे एक साथ खेलते, पढ़ते, खाते और मजे करते थे। परंतु आजकल कहाँ ये सब होता है। हर घर में एक मशीनी अध्यापक होते हैं जो हमें पढ़ाते हैं और गृहकार्य देते हैं। अगले दिन हमें गृहकार्य करने के बाद सारा गृहकार्य उस रोबोट में डाल देना होता है, फिर वो उसे जाँच कर हमारी गलतियों को दोबारा समझाती हैं। ये तो सिर्फ एक कहानी थी मगर अगर सच में पुस्तकें न हो तो हम अपने जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ सकते। इसलिए हमें पुस्तकों के महत्व को समझकर उसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए तथा पढ़ने के बाद उसे फेंकने की बजाय गरीबों को दान कर देना चाहिए।

श्रेया अग्रवाल

पाँचवीं 'द'



ESSAY WRITING COMPETITION

MY FAVOURITE FESTIVAL

My favourite festival is Diwali. We burst crackers during Diwali. We decorate our house and enjoy it a lot. It is a special religious festival. We buy gifts and sweets. We also make sweets and rangoli. Diwali is a joyful festival and my favourite festival. It is a festival of lights. We decorate our houses with candles and diyas.

Anahita Mishra

Class I C

MY FAVOURITE FESTIVAL

My favourite festival is Holi. Holi is a festival of colours. It is celebrated all over India. After Holika Dahan, people play Holi with colours. We prepare many delicious dishes at home. Holi is a festival of love and happiness.

Aishvik Dhabarde

Class I E



MY SCHOOL BAG

My school bag is very colourful. It has many colourful chains. It is very big and has a lot of space. It is a very beautiful bag. It has many flowers on it. It also has many pockets. It has four colours. I put my things in the bag. I love my bag. My favourite bag is my school bag.

Advit

Class I F

MY FAVOURITE FESTIVAL

My favourite festival is Holi. I play Holi with my friends and family. I like to play Holi with a pichkari. We also swim in the pool. I go to my grandmother's house to play Holi. My grandparents and parents also play Holi. My friends give me sweets on Holi. My grandmother makes snacks and juice during Holi. I love to play Holi.

Granth Jain

Class I A





ESSAY WRITING COMPETITION

MY FAVOURITE SUBJECT

My favourite subject is Maths. Maths is the king of tables. It is a hard and tricky subject, but I enjoy it. My family is good at Maths, and it is everyone's favourite subject in my family. I love to learn tables. Maths is the king of all subjects. We do Maths work in our books. My teacher teaches us Maths very nicely. My teacher's name is Aarti ma'am. I love Maths.

Parth
Class I G



MY FAVOURITE FESTIVAL

My favourite festival is Diwali. Diwali is a Hindu festival. It is fun, and I like Diwali very much. We burst crackers and wear new clothes. We clean our house. We do pooja and decorate our house with lights and diyas. We make beautiful rangoli. We visit our family members and friends. Diwali is a happy and joyful festival.

Agatha Nathani
Class I C



WHAT I WANT TO BE WHEN I GROW UP

When I grow up, I want to be a doctor. I will take care of sick people and give them medicines. I will write the names of the medicines on a prescription so they can buy them. I will study a lot and take exams. Then I will become a heart specialist. It will be fun to be a doctor.

Samriddhi Mishra
Class I E

हमारे जीवन में माँ की भूमिका

नमस्ते आज मैं आपको यह बताऊँगी कि हमारी माँ की भूमिका हमारे जीवन में सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण होती है। हमारा हमारी माँ हमें जन्म देती है और असहनीय दर्द सहकर वह हमें जन्म देती है। माँ हमारी सबसे पहले गुरु होती है हमें चलना बोलना खाना पीना सब वही सिखाती है हमारे साथ खेलने का समय निकालने वाली भी हमारी माँ ही होती है। हमें चोट लगेगी तो हमारी माँ को हमसे ज्यादा दर्द होता है। दिन रात एक कर देती है हमें ठीक करने के लिए। जब हम बड़े जाते हैं और फिर हमारी शादी हो जाएगी तब शादी के बाद हाल-चाल पूछने वाली भी हमारी माँ ही होगी। हमें दर्द में आशा देने वाली भी हमारी माँ ही होगी। भगवान से हमारे स्वस्थ जीवन की कामना करने वाली भी हमारी माँ होगी। सुबह हमारे लिए खाना बनाती हैं। हमारी सारी बदमाशियों को झेलने वाली भी हमारी माँ ही होगी। मा तो अंबा का रूप होती है। माँ को अपमानित करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा पाप होता है और माँ को आदर और सम्मान देना हमारा सबसे बड़ा पुण्य होता है। हमें पढ़ना लिखना वही तो सिखाती है। अगर हमारी आँखों से आँसू निकलते हैं तो माँ उन आँसुओं को पोछती है और हमें समझती है। माँ का मतलब ही जननी होता है क्योंकि वह हमें जन्म देती है। माँ मतलब होता है अंबा माता आप सभी को पता है अंबा का मतलब है कि जब हम पर कोई विपदा आती है तो हमारी माँ उसे अंबा बनकर दूर करती है। हम सभी की माताओं के लिए एक सेल्यूट तो बनता है। धन्यवाद माँ आपका कि आपने हमें यह जीवन दिया। माँ आपको प्रणाम

सृष्टि शर्मा
कक्षा पांचवीं ब



Rannvijay Pinjani of class IV A of RAJKUMAR COLLEGE, RAIPUR, supporting a Welfare Society, explains the importance of exercising every day.



WHIZ KIDS



Prisha Saini of class I C secured 3rd position in the (under 7 Girls Category) state-level Chess Tournament.

Divam Sajnani of class I G secured 3rd position in the badminton competition.



Dhairya Chawda of class I C received the Emerging Player Award at the state-level Chess Tournament.

Evelyn Singh of class IV D participated in the Marathon in the 6 km Category and completed the run in a record 46 minutes, and has been awarded with a medal and certificate.



Yati Jain of class IV D secured first position in the Inter Set skating competition and IPSC competition.

Published by: Ms. Chitwan Singh, Headmistress, Rajkumar College Junior School, Raipur (C.G.)

Editorial Team: Ms. Jyoti Mishra, Ms. Subhashini Deo Burman, Ms. Dhara Dutta, Ms. Sugandha Pathak. Ms. Seema Pawar.

Design Team: Ms. Ratna Majithia, Ms. Debjani Dasgupta.